नई प्रजाति बनते देर नहीं लगती

हाल ही में खबर आई है कि देखते-देखते गैलापैगोस द्वीप समूह पर फिंच पक्षियों की एक नई प्रजाति अस्तित्व में आ गई है। गौरतलब है कि गैलापैगोस वह प्रसिद्ध द्वीपसमूह है जहां डारविन ने फिंच पक्षियों के महत्वपूर्ण अवलोकन किए थे और इन अवलोकनों ने उनके जैव विकास के सिद्धांत में प्रमुख योगदान दिया था।

जियोस्पाइज़ा फोर्टिस

पिछले चार दशकों से प्रिंसटन विश्वविद्यालय के जैव विकास विद पीटर व रोज़मैरी ग्रांट गैलापैगोस द्वीपसमूह के एक द्वीप डेफ्ने मेजर पर फिंच पक्षियों का अध्ययन करते रहे हैं। इस दौरान ग्रांट दम्पति ने डेफ्ने मेजर द्वीप के पक्षियों का नाप-जोख करके पहचान चिन्ह लगाने का काम किया है।

1981 में ग्रांट दम्पति ने *जियोस्पाइज़ा फोर्टिस* नामक फिंच में एक असाधारण रूप से वज़नदार पक्षी देखा। इसका नर सामान्य से 5 ग्राम भारी था। इनका जिनेटिक विश्लेषण करने पर पता चला था कि ये पास के एक द्वीप सांटा क्रुज़ से डेफ्ने मेजर पर पहुंचे थे। ग्रांट दम्पति ने इसका नाम रखा 5110 और सात पीढ़ियों तक इसकी सारी ज्ञात संतानों पर नज़र रखी। इसकी कई संतानें डेफ्ने मेजर के अन्य फिंच से अलग ही नज़र आती थी - इनकी चोंच अलग ही आकृति की थीं और इनका गीत भी अलग था।

चौथी पीढ़ी में 5110 की संतानों में ले-देकर कुल एक नर और एक मादा बची थी। इसके बाद से यह प्रवासी पक्षी अलग-थलग होता गया। इसने डेफ्ने मेजर के किसी अन्य *जियोस्पाइज़ा फोर्टिस* के साथ प्रजनन बंद कर दिया।

डेफ्ने मेजर और सांटा क्रुज़ द्वीपों के बीच के फासले की वजह से इन दोनों द्वीपों के पक्षियों के बीच संपर्क बिरली घटना होती है। 5110 का डेफ्ने मेजर पर प्रवास 'द्वितीयक संपर्क' का एक उदाहरण है। 'द्वितीयक संपर्क' उसे कहते हैं जब एक ही प्रजाति के सदस्य समय के एक अंतराल के बाद फिर से मिलते हैं और इस बीच दोनों में विकास हो चुका होता है।

आम तौर पर 'द्वितीयक संपर्क' की बातें एक ख्याली प्रयोग के तौर पर की जाती हैं। ग्रांट दम्पति का अवलोकन इसका वास्तविक अवलोकन है। 5110 का डेफ्ने मेजर के मूल निवासियों के साथ न घुलने-मिलने का एक कारण तो उनकी चोंच में भिन्नता है। पक्षियों के मामले में चोंच पहचान का एक प्रमुख चिन्ह होता है। इसके अलावा उनका गीत भी अलग है। दोनों भिन्नताओं के चलते मूल निवासियों और प्रवासी पक्षियों के बीच समागम में अवरोध है।

ग्रांट दम्पति बताते हैं कि 5110 की संतानें सांटा क्रुज़ में सीखा हुआ गाना गाते थे जिसे वे डेफ्ने मेजर के पक्षियों के अनुरूप बनाने की कोशिश करते थे। मगर इस अधकचरी नकल के कारण वे प्रजनन के लिहाज़ से अलग-थलग ही रहे। तो अब 5110 की संतानें एक नई प्रजाति बन चुकी हैं। मगर ग्रांट दम्पति का कहना है कि इसे नई प्रजाति का दर्जा देने से पहले अभी और कुछ पीढ़ियों तक इन्तज़ार करना होगा क्योंकि हो सकता है कि इनका प्रजनन-अलगाव कुछ ही समय बना रहे। ***(स्रोत फीचर्स)***